युसुफ के समान हम उन वस्तुओं के भण्डारी है जिनको परमेश्वर ने हम सबको दिया है।

जो बच्चों को शिक्षा देते हैं पढ़े अध्ययन एस 3 ब

प्रार्थना: ''पिता परमेश्वर आपके पास सब कुछ है, और उसी में से आपने हमें दिया है। कृपया हमें शक्ति प्रदान कीजिये कि हम सब लोगों की देख-भाल कर सके और हम पूरी रीति से आपको सम्मान दे। आमीन।''

1. अपने आपको प्रार्थना और परमेश्वर के वचन के द्वारा तैयार करें।

आदी से लेकर अब तक, परमेश्वर लोगों को जो कुछ उसने पैदा किया है उसमें से अपनी वस्तुएँ उनको देता है।

उत्पत्ति 1:26-28 में देखें कि किस प्रकार लोग पृथ्वी पर राज्य करते हैं। कृपया उत्तर की खोज मूल पाठ में से करे, पढ़ने से पहले नीचे प्रश्न दिये गये हैं।

अ) अपनी भूमि पर कार्य करने का अधिकार लोग किससे लेते हैं? (या पाते हैं)

ब) अपने जानवरों का पालन पोषण करने का अधिकार लोग किससे लेते हैं या पाते हैं

स) लोग भूमि पर कार्य करने का और जानवरों के पालन पोषण को कुशलता से करने का लेखा जोखा किसको देते हैं?

(उत्तर: अ) परमेश्वर से ब) परमेश्वर से) परमेश्वर को)

उत्पत्ति 39:2-5 में पाते हैं कि किस प्रकार युसुफ मिस्त्र देश का प्रबन्धकर्ता कैसे बना।

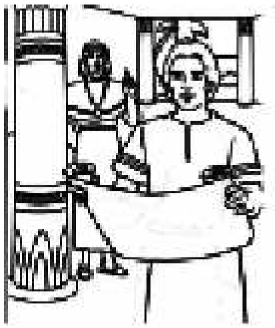

अ) जब हम दूसरों के लिये वस्तुओं का प्रबन्ध करते हैं, परमेश्वर हमसे क्या करने को कहता है?

ब) लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अगर हम उनके लिये अच्छा प्रबन्ध करते हैं?

(उत्तर: अ) उन्हें आशिषित करें उनकी जायदाद का कुशलता पूर्वक प्रबन्ध करके ब) वे हम पर विश्वास करेंगे।)

लुका 12:42-48 में देखें कि यीशु ने किस प्रकार भौतिक वस्तुओं का प्रबन्ध करने के लिये कहा है।

- जब प्रभु यीशु इस संसार में वापिस आयेंगे तो अच्छे भण्डारीपन का क्या ईनाम देगें? *(उत्तर: आयतें 42-44)*
- यीशु मसीह उनके साथ कैसा बर्ताव करेंगे जो उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते? *(उत्तर: आयतें 45-47)*
- जिनके पास बहुतायत से है, उन लोंगो से प्रभु यीशु क्या चाहते हैं? *(उत्तर: आयत 48)*

1 कुरन्थियों 4:1-4 में देखें परमेश्वर सच्चे भण्डारी के विषय में क्या कहता है।

- हम भण्डारियों से परमेश्वर क्या चाहता है? *(उत्तर: हम विश्वासयोग्य पायें जायें)*
- हमारी कौन परीक्षा लेता है कि कौन भण्डारी है *(उत्तर: दूसरे लोग, न्यायालय और परमेश्वर स्वयं)*

1 थिस्सलुनीकियों 4:1-8 मे देखें हमें अपनी देह का किस प्रकार का प्रबन्ध करना चाहिये।

- हमारी देह पर किसका अधिकार है? *(उत्तर: आयते 1 और 2)*
- पृथ्वी पर अपने जीवन काल में हमें अपनी देह का किस प्रकार प्रयोग करना चाहिये। *(उत्तर: आयतें 3-5)*
- अगर हम अपनी देह से दूसरों को धोखा देते हैं, तो परमेश्वर क्या करता है। *(उत्तर: आयत 6)*
- परमेश्वर ने हमारी देह का अच्छा प्रबन्ध करने के लिए क्या दिया है। *(उत्तर: आयतें 7 और 8)*

1 पतरस 4:10-11 में देखें आप अपने आत्मिक फलो वरदनों का प्रबन्ध कैसे करें।

- हम में से किसने परमेश्वर से आत्मिक वरदान पाया है? *(उत्तर: हम सबने)*
- दो प्रकार के आत्मिक वरदानों का कैसे प्रयोग करें? *(उत्तर: परमेश्वर के विषय बोलकर, परमेश्वर की सेवकाई द्वारा)*
- हम अपने आत्मिक फलों वरदानों को प्रयोग करने के लिये किससे शक्ति पाते हैं? *(परमेश्वर से)*
- जब हम अपने आत्मिक फलों वरदानो का प्रयोग करते हैं तो महिमा किसको मिलनी चाहिये? *(यीशु मसीह को)*

2. अपने सह कर्मियों के साथ सप्ताह में होने वाली क्रिया कलापों की योजना बनायें

इकठ्ठे मिलकर बात चीत करें कि वे और आप मिलकर किस प्रकार का सुनियो जित प्रबन्ध करेंगे 1) अपनी अधिकृत सम्पत्ति का 2) दूसरों की अधिकृत सम्पत्ति का 3) परमेश्वर की सच्चाई का 4) अपनी देहों का और 5) अपनी आत्मिक फलों/वरदानों का

एक दूसरे को बतायें कि किस प्रकार वस्तुओं को अच्छा बनाया जा सकता है प्रबन्ध किया जा सकता है।

मिलकर प्रार्थना करें, और परमेश्वर से कहें कि आपको और विश्वासयोग्य बनायें उन वस्तुओं पर जो आपके पास हैं।

उन विश्वासियों के घर जायें जो अच्छे भण्डारी बनना चाहते हैं।

- उपरोलिखित आयतों को बाईबल से पढ़े
- विश्वासियों के साथ मिलकर प्रार्थना करें कि उनको आज्ञाकारी बनने में परमेश्वर सहायता करे।

3. अपने सह कर्मियों के साथ मिलकर आराधना को सुनियोजित बनाने के लिए योजना बनाये।

पढ़े और बाइबल के अनुच्छेदों को समझाये जिनमें भण्डारीपन के विषय में दिया गया है, जैसे ऊपर दिया वर्णित है।

भण्डारीपन के विषय सच्चाई को समझायें:

- परमेश्वर रचने वाला है और सभी अच्छी वस्तुओं का मालिक है।
- परमेश्वर हर एक जन को बहुत सी वस्तुयें सौंपी है, (जीवन, देह, भूमि जानवर, नौकरियाँ, नौकर-चाकर, बच्चे ज्ञान, धन, सम्पति, बाइबल, आत्मिक फल/ वरदान आदि)।
- परमेश्वर पूर्ण रूप से हमारे लिये आज्ञाकारी है, अपनी प्रतिज्ञाओं को जो उसने बनाई हैं पूरी करने में।
- परमेश्वर भी चाहता है कि जो कुछ उसने हमें दिया है उसमें हम भी आज्ञाकारी रहें।
- परमेश्वर हर एक जन को जाँचता था कि वे कितने आज्ञाकारी थे।
- परमेश्वर हर एक विश्वासी को जो अपनी देह से धोखा देते हैं, दण्ड देता है।
- परमेश्वर उन सबको जो आज्ञाकारी रहे उन वस्तुओं में जो उनको पास थी, पुरस्कार देता है।

लोागों को बतायें कि परमेश्वर अच्छा भण्डारी बनने के लिए आपकी कैसे सहायता करता है।

सभी विश्वासियों को आमंत्रित करे और परमेश्वर के बारे में बतायें कि अच्छा भण्डारी बनने के लिए वह कैसे सहायता करता है। प्रतीक्षा कीजिये कि वे लोग क्या कहते हैं। अगर वे वह सब कुछ नहीं कहते जो नीचे दिया गया है, तब आप भी कर सकते हैं।

वे वस्तुए जो परमेश्वर हमें एक भण्डारी के रूप में देना चाहता है।

हमारी **देह** जिसका हम सब पालन पोषण करें, रक्षा करें और उसको पवित्र रखें।

हमारे **भूमि** जिसको हम प्रयोग में लायें और भूमि कटाव से उसकी रक्षा करें।

हमारी **जानवर** जिनके द्वारा हम जीवन निर्वाह की वस्तुएँ पाते हैं उनके साथ दया दिखायें।

हमारा **धन** जिसके द्वारा हम अपनी और दूसरों की सहायता करते हैं।

हमारे **बच्चे** जिनको हम पालते हैं, पोषण करते हैं और सुसमाचार सुनाने के लिये तैयार करते हैं।

हमारे **माता पिता** जिनका हम आदर और पालन करें।

हमारे **घर** व **सभी वस्तुएॅ** जो कुछ हमारे पास है ज़रूरत के अनुसार बॉटे।

हमारे **आत्मिक वरदान,** जिनके द्वारा हम एक दूसरे की सेवकाई करते हैं।

हमारा **ज्ञान** जिसे हम उनको दे जिनको इसकी ज़रूरत है।

हमारा **विश्वास** यीशु मसीह में जिसको हम अभ्यास में लायें प्रतिदिन के कार्य कलापों में।

और भी बहुत सी वस्तुए हैं, आप जिनको कह सकते हैं?

बच्चे नाटक प्रस्तुत करें और वे प्रश्न पूछें जो उन्होंने तैयार किये हैं।

प्रभु भोज को आरमी करंभ के लिये, 2 इतिहास 35:15-191 समझायें कि किस प्रकार अच्छे राजा योशिय्याह ने परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर का फसह का पर्व मनाने दिया, जिसको वे छोड़ चुके थे। प्रभु भोज ही तो मसीहियों का फसह का पर्व है।

याद करे इकठ्ठे होकर: 1 कुरन्थियों 14:2 ''भण्डारी के लिए विश्वासयोग्य होना ज़रूरी है?

विश्वासी भाई और मेहमान/मित्र छोटे छोटे दो या तीन लोगों के मिलकर समूह बनायें। एक दूसरे से अपनी ज़रूरतो को माने, और अच्छा भण्डारी होने के बारे में बतायें और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें।